पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने स्वामी विवेकानन्द जी की जयन्ती पर प्रदेशवासियों एवं विशेष रूप से नौजवानों को बधाई दी

स्वामी जी साहित्य, दर्शन और इतिहास के प्रकाण्ड विद्वान थे

मुख्यमंत्री ने युवाओं से स्वामी विवेकानन्द जी के भाषणों एवं लेखन को अधिक से अधिक पढ़ने तथा उनके बताए रास्ते पर चलने की अपील की

लखनऊ : 12 जनवरी, 2018

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने स्वामी विवेकानन्द जी की जयन्ती पर प्रदेशवासियों एवं विशेष रूप से नौजवानों को बधाई दी है। उन्होंने विवेकानन्द जी के अतुलनीय योगदान को याद करते हुए कहा कि एक युवा सन्यासी के रूप में भारतीय संस्कृति एवं सभ्यता की महक विदेशों तक बिखेरने वाले स्वामी जी साहित्य, दर्शन और इतिहास के प्रकाण्ड विद्वान थे। उन्होंने कहा कि स्वामी जी की जयन्ती को 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के रूप में मनाया जाता है।

आज यहां जारी एक बधाई संदेश में मुख्यमंत्री जी ने कहा कि 25 वर्ष की आयु में सन्यास ग्रहण करने वाले स्वामी विवेकानन्द जी का जन्म कोलकाता में 12 जनवरी, 1863 को हुआ था। संत रामकृष्ण परमहंस के मुख्य शिष्य के रूप में उन्होंने भारत की आध्यात्मिकता से परिपूर्ण दर्शन को विश्व जगत के समक्ष पूरी तार्किकता एवं अकाट्य प्रमाणों के साथ प्रस्तुत किया। भारत में हिन्दू धर्म को पुष्पित एवं पल्लवित करने में उनके योगदान को सदैव याद रखा जाएगा।

योगी जी ने युवाओं से स्वामी विवेकानन्द जी के भाषणों एवं लेखन को अधिक से अधिक पढ़ने तथा उनके बताए हुए रास्ते पर चलने की अपील की है। उन्होंने विवेकानन्द जी के प्रसिद्ध सूत्रवाक्य 'उठो, जागो और तब तक रुको नहीं, जब तक मंज़िल प्राप्त न हो जाए', को दोहराते हुए नौजवानों से इसे अपनी जीवन यात्रा में अपनाने का आग्रह किया है।

————————